तापमान
अधिकतम 24 .0 डिग्री
न्यूनतम 6 .5 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, मंगलवार 20 जनवरी 2026

12 आसमान साफ होते ही चढ़ा पारा, बढ़ने लगी किसानों की चिंता

12 रास्तों से खेतों तक की जमीन पर कब्जे, निर्माण नियमित कराने को आवेदन, अनुमति की गुंजाइश नहीं

खबर संक्षेप

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद फरार दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। गत वर्ष 11 नवंबर को हुए हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में नूंह के पटानका निवासी आफ्ताब को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत वर्ष 3 दिसंबर को ससुराल पक्ष के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने राजस्थान के माधोपुर निवासी अनिल को काबू किया है। उसे बाद में पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

नशीले पदार्थ के साथ एक आरोपी चढ़ा हत्थे

कोसली। थाना पुलिस ने नशीला पदार्थ बेचने के आरोपी को नशीला पदार्थ सुल्फा सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि लिलोढ़ निवासी धर्मेंद्र नशीला पदार्थ बेचने का धंधा करता है। पुलिस ने मौके पर जाकर आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 12 ग्राम सुल्फा बरामद हुआ। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

गोकशी मामले का आरोपी भेजा जेल

रेवाड़ी। थाना रोहड़ाई पुलिस ने गोकशी एक्ट के तहत दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गत वर्ष 18 नवंबर की रात एक पिकअप में भरी गायों को तस्कर पुलिस का पीछा होते हुए देखकर सड़क पर फेंककर फरार होने में कामयाब हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में नूंह के भोपावली निवासी जाहुल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

नशीला पदार्थ मुहैया कराने वाला काबू

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने नशीला पदार्थ मुहैया कराने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सूचना के आधार पर गत वर्ष 5 दिसंबर को एक व्यक्ति को नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। पूछताछ में उसने बताया था कि उसके नशील पदार्थ खासापुरा मोहल्ला निवासी मुकेश ने मुहैया कराया था। पुलिस ने आरोपी मुकेश को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने अवैध शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी अलावलपुर निवासी बुधराम अवैध रूप से शराब की बिक्री करता है। पुलिस ने मौके पर जाकर छापेमारी की। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी की तलाशी ली, तो उसके पास से साढ़े 15 बोतल शराब बरामद हुई। उसे गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया।

प्रशासन ने एक बार फिर लगाई ग्रैप-4 की पाबंदियां, प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड ने उद्योगों की मॉनिटरिंग बढ़ाई

खतरनाक हो रहा एनसीआर का प्रदूषण, खरखड़ा में डाला जा रहा कचरा, बीडीपीओ को बोर्ड का नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

प्रदूषण का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद कूड़े में आग लगाने की घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। एक ओर जहां सुठाना गांव में कचरे में आग लगी, तो दूसरी ओर जलियावास में लगी आग को फायर ब्रिगेड ने काबू किया। खरखड़ा में गांवों का कूड़ा डाले जाने पर प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की ओर से बीडीपीओ को नोटिस जारी किया गया है, तो उद्योगों की मॉनिटरिंग बढ़ा दी गई है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए डीसी ने मीटिंग बुलाकर एजेंसियों के इन्फोर्समेंट अफसरों को ग्रैप-4 के नियमों की पालना जारी करने के निर्देश दिए हैं। सुबह के हवा में नमी और ठंड के कारण एक्यूआई खतरनाक स्त पर पहुंच जाता है। इस समय पूरा एनसीआर प्रदूषण की चपेट में है। सोमवार को सुबह के समय धारूहेड़ा का एक्यूआई 329 दर्ज किया गया, जिसे स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक माना जाता है। कई बार एक्यूआई 400 के पार चला जाता है। दोपहर बाद धूप निकलने के बाद इसमें कमी जरूर आई, लेकिन आसमान में धुएं की चादर शाम तक बनी रही। बढ़ते प्रदूषण के पीछे एक ओर जहां सड़कों पर उड़ने वाली धूल बड़ा कारण है, तो दूसरी ओर सरकारी जमीनों पर लगे कूड़े के ढेरों में आग लगाने से प्रदूषण काफी बढ़ जाता है। शहर के आसपास व बावल कस्बे में कूड़े के ढेरों में आग लगाने की घटनाओं को बार-बार अंजाम दिया जाता है। एचएसआईआईडीसी व एचएसवीपी की खाली जमीनों को अस्थाई डंपिंग यार्ड की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकारी जमीनों पर पड़े कचरे में मौका मिलते ही लोग आग लगा देते हैं, जिससे धुआं के गुब्बार हवा में जहर घोलने का कार्य करते हैं।

सुठाना में एचएसआईआईडीसी की लगभग 7 एकड़ जमीन पर कूड़ा डाला जाता है। गांव की सरपंच रीना कुमारी ने बताया कि इस जमीन पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। रविवार को देर सायं किसी ने कूड़े में आग लगा दी, जिससे धुएं के गुब्बार उठने शुरू हो गए। इसी तरह जलियावास में रविवार की रात कबाड़ में आग लग गई। सूचना मिलने के बाद दोनों जगह फायर ब्रिगेड ने जाकर आग पर काबू पाया। आगजनी के चलते भारी मात्रा में धुआं वायुमंडल में छाया रहा।

रेवाड़ी। सुठाना में एचएसआईआईडीसी की जमीन पर जलता कचरा। फोटो : हरिभूमि

ग्रेप-4 की पाबंदियां फिर से हुई लागू

एनसीआर में बढ़ते हुए प्रदूषण को देखते हुए डीसी अभिषेक मीणा ने सोमवार को उप समिति की आपात बैठक बुलाकर ग्रैप-4 की पाबंदियां सख्ती से लागू करने के आदेश जारी कर दिए। डीसी ने बताया कि ग्रैप-4 की सभी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई तत्काल प्रभाव से लागू की जाएं। ग्रैप-4 की पाबंदियों को सख्ती से लागू कराने के लिए प्रवर्तन एजेंसियों को निरंतर निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। नागरिक चार्टर की पूर्ण रूप से पालना करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बोर्ड ने उद्योगों की निगरानी बढ़ाई

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का निर्णय लिया गया है। खरखड़ा गांव में पंचायती जमीन पर कूड़ा डालने पर बोर्ड ने धारूहेड़ा बीडीपीओ को नोटिस जारी किया है। बोर्ड ने अपने अधिकारियों की टीमों को उन उद्योगों की मॉनिटरिंग के लिए मैदान में उतार दिया है, जिनसे प्रदूषण फैलने की आशंका ज्यादा है। सोमवार के बोर्ड के एसडीओ औद्योगिक एरिया में चेकिंग अभियान में लगे रहे।

प्रदूषण फैलाने वालों पर बरतेंगे सख्ती

बोर्ड की ओर से प्रदूषण फैलाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। जिन स्थानों पर कूड़ा जलाने की घटनाएं हो रही हैं, वहां संबंधित विभागों व अधिकारियों को नोटिस जारी किए जाएंगे। उद्योगों पर बोर्ड के अधिकारियों की निगरानी लगातार चल रही है।
-निपुन कुमार, आरओ, एचएसपीसीबी।

शेयर मार्केट में मोटे मुनाफे का लालच देकर ठगी करने वाले दो और आरोपी काबू

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने शेयर मार्केट में मोटे मुनाफे का लालच देकर ठगी करने के मामले दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र के मुम्बई के कोलीवाडा तरुण नगर निवासी राकेश श्री निवास नायडू व पिंटू मौर्या के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 24 जून को जिला गुरूग्राम के गांव कासन हाल आबाद द्वारकाधीश सोसायटी धारूहेड़ा निवासी पवन कुमार ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह शेयर मार्केट में पैसा निवेश करना चाहता था। इसके लिए वह एक व्हाट्स एप ग्रुप से जुड़ गया। ग्रुप एडमिन ने उसे शेयर मार्केट के प्लॉन के बारे में जानकारी देते हुए मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया। उससे करीब 1 करोड़ 54 लाख 60 हजार रुपए अलग-अलग खातों में डलवा लिए। जब मुनाफे की राशि को पाने के लिए उससे और पैसा जमा कराने को कहा गया, तो उसे ठगी का पता चला। पुलिस ने मामले में संलिप्त चार आरोपी बिहार के जिला ईस्ट चंपारण के गांव रंजीता हाल गांव रघुनाथपुर निवासी रंजन कुमार, पश्चिम बंगाल के जिला अलीपुरदार के जयगांव निवासी दावा लाम्बा, जिला सिरसा के गांव चाहरवाला निवासी कुलदीप व महाराष्ट्र के मुंबई के सिद्धार्थ कालोनी चेम्बुर निवासी सुमित कुमार उर्फ गुड्डु को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने रविवार को मामले में संलिप्त दो और आरोपी राकेश श्री निवास नायडू व पिंटू मौर्या को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने सुमित कुमार उर्फ गुड्डु का बैंक खाता साइबर ठगों को उपलब्ध कराने के लिए मध्यस्थ की भूमिका अदा की थी। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

आरोपी राकेश श्री निवास नायडू

आरोपी पिंटू मौर्या।

पुलिस ने ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कसा शिकंजा

1448 वाहन चालकों के किए चालान

रेवाड़ी। चालकों में शराब की मात्रा की जांच करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

जिला पुलिस करे ओर से ड्रिंक एंड ड्राइव, वाहन में तेज डीजे-प्रेशर हॉर्न बजाने, लेन चेंज नियमों की अवहेलना करने व बुलेट बाइक में पटाखा छोड़कर हवाबाजी करने वालों के खिलाफ स्पेशल अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी और प्रभावी कार्रवाई की गई। पुलिस ने गत सप्ताह के दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 45 वाहन चालकों के चालान किए। एसपी हेमेंन्द्र कुमार मीणा ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि रात्रि के समय काफी वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हैं, जिससे वह अपने आप को तो खतरे में डालते ही हैं साथ में सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालक के लिए भी खतरा बन जाते है।

कानून-व्यवस्था के साथ कोई समझौता नहीं

शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है और यह मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 185 के तहत दंडनीय अपराध है। गाड़ी में तेज डीजे-प्रेशर हॉर्न बजाकर ध्वनि प्रदूषण करने की हरकतें भी सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन जाती हैं। पुलिस ने ध्वनि प्रदूषण करने वाले वाले 2 वाहन चालक पर शिकंजा कसा है। इसके साथ ही गत सप्ताह में लेन चेंज से संबंधित नियमों की अवहेलना पर 1401 वाहन चालकों के चालान किए गए। एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि शहर में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जो भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि गाड़ियों में ब्लैक फिल्म का प्रयोग न करें। नशे की हालत में वाहन चलाकर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में न डालें।

पैथ लैबोरेट्रीज में नियम रखे जा रहे ताक पर, सीएम फ्लाइंग ने सील की तीन लैब

- सोमवार को धारूहेड़ा में की गई कार्रवाई, स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मारा छापा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी/धारूहेड़ा

विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच करने वाली लैबोरेट्रीज पर किसी कदर अनियमितताएं बरती जाती हैं, उसका उदाहरण एक बार फिर देखने को मिला। सीएम फ्लाइंग टीम ने धारूहेड़ा में लैब जांच करते हुए तीन लैबेरेट्रीज को सील कर दिया। इन लैब पर भारी अनियमितताएं पाई गई। लैब संचालकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वास्थ्य विभाग को लिखा गया है। सीएम फ्लाइंग के सब इंस्पेक्टर सुनील के नेतृत्व में टीम ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर धारूहेड़ा कस्बे में चल रही लैबों की जांच की। रेड की सूचना मिलने के बाद कई संचालक शटर बंद करके मौके से गायब हो गए। लैब संचालकों में अफरा-तफरी मच गई। टीम ने वर्मा नर्सिंग होम एंड पैथ लैब नंदरामपुर बास रोड, मॉडर्न लैबोरेट्री बक्शी मार्केट, मॉडर्न हाई-टेक लैबोरेट्री बक्शी मार्केट तथा यादव लैबोरेट्री मेन बाजार में जाकर रिकॉर्ड व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इनमें से तीन लैब पर अनियमितताएं पाई गई। टीम ने तीनों लैब को मौके पर ही सील कर दिया।

रेवाड़ी। लैब पर जांच करते हुए सीएम फ्लाइंग टीम, लैब को सील करते हुए सीएम फ्लाइंग टीम। फोटो : हरिभूमि

जांच के दौरान मिली भारी खामियां

सीएम फ्लाइंग के अनुसार कई लैब पर जांच के दौरान भारी अनियमितताएं देखने को मिलीं। रिपोर्ट पर साइन करने वाले डॉक्टर का अभाव, लैब टेक्निशियन की कमी, लैब की रेट लिस्ट नहीं लगाना तथा कई अन्य खामियां जांच के दौरान पाई गई हैं। तीन लैब को मौके पर ही सील कर दिया गया। ऐसी लैब के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कोसली में हो चुकी कार्रवाई

सीएम फ्लाइंग की ओर से कोसली में भी कुछ दिन पहले पैथ लैब पर कार्रवाई की गई थी। एक लैब संचालक को नोटिस दिया गया था, जबकि दो को अनियमितताएं पाए जाने पर सील कर दिया गया था। इसके बाद भी लैब संचालकों ने सबक नहीं लिया है। जांच के नाम पर लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है।

मुंढलिया में बेजुबान गाय से दरिंदगी पुलिस ने काबू किए दो आरोपी

- दोनों पर प्लॉट से सामान चोरी करने का भी आरोप है

रेवाड़ी। मुंढलिया गांव में एक प्लॉट में बंधी गाय से दरिंदगी करते हुए दो लोगों ने मूत्राशय में डंडा डाल दिया। दोनों पर प्लॉट से सामान चोरी करने का भी आरोप है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। थाना सदर पुलिस को दर्ज शिकायत में मुंढलिया निवासी रविंद्र कुमार ने बताया कि गत 10 जून की रात उसने अपने प्लॉट से गांव में रह रहे मूल रूप से एमपी के नारायणपुर निवासी संतकुमार व गांव के ही कृष्ण को प्लॉट से निकलते हुए देखा था। प्लॉट से साइकिल व अन्य सामान भी गायब मिला था। अगले दिन सुबह जब वह गाय का दूध निकालने के लिए प्लॉट में गई, तो गाय के मूत्राशय से खून निकल रहा था। काफी समय तक खून बंद नहीं हुआ तो वह अपनी गाय को डोहकी के पशु अस्पताल ले गया। चिकित्सक ने जांच के बाद बताया कि गाय के मूत्राशय में डंडा डाला गया था, जिस कारण रक्तस्त्राव हो रहा है। थाना सदर पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

पति सहित पांच ससुरालीजनों पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज

- ससुराल वालों को खुश रखने के लिए उसके पिता ने साढ़े चार लाख रुपये भी दिए थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कोसली

बव्वा गांव की एक महिला ने अपने पति सहित पांच ससुरालीजनों पर दहेज प्रताड़ना, गाली गलौज, मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। विवाहिता सुशीला ने पुलिस को बताया कि उसका विवाह 21 साल पहले बव्वा गांव के संदीप से हुआ था। शादी में मेरे पिता ने अपनी हैसियत से ज्यादा दान दहेज दिया था, लेकिन उसके ससुराल वाले दिए गए दान दहेज से खुश नहीं थे तथा विवाह के बाद से ही उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। उसने दो बेटियों को जन्म दिया। ससुराल वालों को खुश रखने के लिए उसके पिता ने साढ़े चार लाख रुपये भी दिए। उसके पिता ने गांव में अलग प्लाट लेकर उसे मकान बनाकर दिया, जिसमें वह अपनी बेटियों के साथ रह रही है, लेकिन पति, देवर, ननद व दो अन्य रिश्तेदार उसे परेशान कर रहे है। थक हार कर उसने गत वर्ष अक्टूबर माह में पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने उनकी काउंसलिंग कराने के बाद पांच आरोपियो के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

आईएमटी बावल के दूषित पानी को साहबी बैराज में डालने के प्रस्ताव पर आपत्ति उठना शुरू

साहबी बैराज में दूषित पानी डालने की तैयारी परियोजना पर रोक लगाने की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

साहबी बैराज मसानी में आईएमटी बावल के औद्योगिक क्षेत्र के पानी डालने के प्रस्ताव के खिलाफ विवाद होना शुरू हो गया है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने इस विवादित योजना पर तत्काल रोक लगाने के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय, हरियाणा के मुख्यमंत्री व हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को आपत्ति पत्र भेजा है। सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि सरकार और सिंचाई विभाग बरसाती पानी के नाम पर साहबी बैराज में जहरीला औद्योगिक पानी डालने की साजिश रच रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। सिंचाई विभाग की ओर से एचएसआईआईडीसी आईएमटी बावल से साहबी नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बरसाती जल निकासी के नाम पर लगभग 6332.54 लाख की विशाल परियोजना प्रस्तावित की गई है, जिसे 400 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के तहत आईएमटी बावल का पानी सीधे साहबी बैराज में डालने की तैयारी है। प्रकाश यादव ने आरोप लगाया कि विभाग कागजों में इसे केवल बारिश का पानी बता रहा है, जबकि हकीकत यह है कि आईएमटी बावल औद्योगिक क्षेत्र में हर समय भारी मात्रा में रासायनिक, जहरीला और दूषित औद्योगिक पानी जमा रहता है।

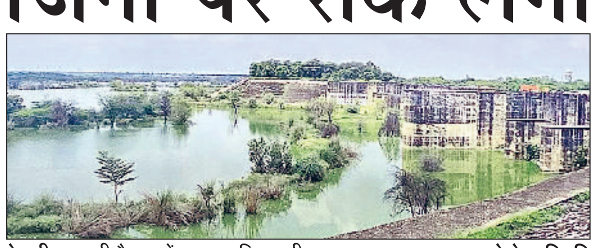

रेवाड़ी। साहबी बैराज में जमा प्रदूषित पानी। फोटो : हरिभूमि

प्रदूषण का बड़ा केंद्र बनाने की योजना

प्रकाश ने कहा कि एक ओर सरकार साहबी बैराज को पर्यटन स्थल बनाने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर इसे प्रदूषण का बड़ा केंद्र बनाने की योजना बना रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अब भिवाड़ी राजस्थान और बावल औद्योगिक कस्बे का गंदा पानी भी इसी बैराज में डालने की तैयारी की जा रही है, जो स्थानीय लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने आईएमटी बावल के किसी भी प्रकार के प्रदूषित जल को साहबी बैराज में डालने पर तत्काल रोक लगाने, आईएमटी बावल में प्रभावी प्रदूषण उपचार संयंत्र (ईटीपी/एसटीपी) लगाकर गंदे पानी का वैज्ञानिक निस्तारण करने, आईएमटी बावल और भिवाड़ी सहित किसी भी औद्योगिक क्षेत्र के प्रदूषित पानी को प्राकृतिक जल स्रोतों में छोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा दूषित पानी से प्रभावित गांवों के लोगों की सुनवाई सुनिश्चित करने मांग की है।

डिप्टी डीईओ बने अरविंद कुमार का हुआ सम्मान

रेवाड़ी। अरविंद कुमार का सम्मान करते हुए स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। खंड जाटूसाना के खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार के उप जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नत होने पर खंड शिक्षा कार्यालय परिसर में विदाई व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीईओ व बीआरसी स्टाफ ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। अरविंद कुमार ने लगभग तीन वर्षों तक खंड जाटूसाना में बीआरसी एवं बीईओ के पद पर कार्य किया। उनके कार्यकाल को शिक्षण, प्रशासनिक दक्षता व समर्पित कार्यशैली के लिए अत्यंत सराहनीय बताया गया। बीआरसी स्टाफ से विवेक शर्मा, मनीषा, सवित्रा, राखी, सुनील, रमन, संजय, राधेश्याम तथा बीईओ स्टाफ से विनोद, परमजीत, तारीफ, रविंद्र, ज्योति, आशीष व किशन ने अरविंद कुमार को सम्मानित किया। साथ ही खंड जाटूसाना के सभी विद्यालय स्टाफ ने उन्हें पदोन्नति पर बधाई दी। इस अवसर पर ओमप्रकाश प्रधानाध्यापक, नरेश चौहान व सीमा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हरिभूमि
सहेली
रोहतक, मंगलवार
20 जनवरी 2026

विशेषः गणतंत्र दिवस
वसंत पंचमी, बालिका दिवस

भारतीय स्त्रियां गणतांत्रिक व्यवस्था के प्रति पूरी आस्था रखती हैं, वे इसे व्यापक संदर्भों में देखती हैं। उनके लिए गणतंत्र केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं, परिवार-समाज की एक ऐसी संरचना है, जो आपस में सबको जोड़ती है। स्त्रियों का मानना है, घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जो जीवन मूल्य सहेजता है। आज की स्त्रियों का यह भी मानना है कि घर-परिवार का लोकतंत्र मजबूत है तो देश का गणतंत्र भी हमेशा मजबूत रहेगा।

नए युग में स्त्री के लिए गणतंत्र के मायने

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

कभी-कभी बदलाव शोर मचाकर नहीं, दबे पांव भी आते हैं और भीतर ही भीतर विचलित कर देते हैं। ऐसे बदलाव धीरे से आकर हमारे भीतर बैठ जाते हैं, हमें पता तब चलता है, जब हम स्वयं को पहले जैसा नहीं पाते। इस तकनीकी युग के आगमन के साथ स्त्री की सजगता और स्वतंत्रता के दायरे में एक मौन के साथ गहरा बदलाव घटित हुआ है। यह बदलाव केवल सुविधा का नहीं, बल्कि मां के अनुभव और उसकी नैतिक समझ को चुनौती देने वाला है, मानो समय के प्रवाह में अचानक आईने रख दिए गए हों, जिनमें स्त्री को स्वयं को नए सिरे से देखने की चुनौती आ खड़ी हुई हो। खासतौर पर वे स्त्रियां, जिनके बच्चे बढ़ रहे हैं, पढ़ रहे हैं। जिन्हें बच्चों के अनुभव, अनुभूति, अभिव्यक्ति को तराशना है, उनके लिए यह तकनीकी दौर का संविधान, पहेली जैसा है।

बदलते समय का चक्रः सत्तर के दशक की मां के हाथ में छड़ी होती थी। वह छड़ी क्रूरता का प्रतीक नहीं, बल्कि वह स्पष्टता का संकेत थी। उसमें सीमा थी, अनुशासन था, और एक ऐसी नैतिक रेखा थी, जिसे लांघने से पहले बच्चा ठिठकता था, सोचता था, डरता था। फिर भी उस दौर की मां को उसकी संतान डर से नहीं, प्रेम, भरोसे और एक सहज स्नेह के साथ देखती थी। समय बदला। मां ने भी समय के साथ स्वयं को बदला। मांओं की दुनिया में घर के अलावा विद्यालय, ऑफिस, हवाई अड्डे, बस अड्डे आदि जुड़ने लगे तो उनके हाथ में छड़ी की जगह उपहार आ गए, संवाद, सुविधा, समझाइश, सहमति। यह परिवर्तन किसी हार का नहीं, संवेदनशीलता के विस्तार की यात्रा के रूप में देखा गया। लेकिन समय यहीं नहीं रुका। यह ऐसा समय है, जो न छड़ी से अनुशासित होता दिख रहा है और न ही उपहारों से साधा जा सकता है। यह न स्नेह से पिघलता है, न डांट से रुकता है। यहां स्कूल का होमवर्क हो या बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जटिल डेटा, सब कुछ क्षण भर में सुलझ जाता है। स्त्री यह सब देख रही है।

जटिलताओं का अंबारः मां की भूमिकाएं बदल रही हैं। आज की स्त्री के पास जटिलताओं का अंबार है। उसे अपने भीतर ठहरकर सोचना होगा कि यदि सब कुछ इतना तात्कालिक, असुविधा रहित होता चला गया, तो अनुभव कहां जाएगा? संघर्ष कहां टिकेगा? चिंतन की वह धीमी आग कहां सुलगेगी, जो मनुष्य को मनुष्य बनाने में मदद करती है। ऐसी विधि जो मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, संवेदनशील भी बनाती है। भय यह नहीं है कि एक दिन मशीन मनुष्य बन जाएगी। भय यह है कि मनुष्य अपने सोचने, ठहरने और गलती करने के अधिकार से वंचित हो जाएगा, और तब यह दुनिया कैसी होगी, इसकी कल्पना ही सिहरन पैदा करती है, क्योंकि जिस गति से मनुष्य दौड़ रहा है, वह मानव तो रहने वाला है नहीं। यहीं से स्त्री का गणतंत्र जन्म लेता है। किसी उद्घोष से नहीं, बल्कि इस गहरी चिंता से कि मनुष्य कैसे बचा रहे?

स्त्री के लिए संविधान शब्दों से नहीं व्यवहार से लिखा जाता हैः अंतिम निर्णय किसी बाहरी व्यवस्था से नहीं, मनुष्य के भीतर रचे गए विवेक से जन्म लेता है। स्त्री इस विवेक को जानती है, इसलिए उस पर भरोसा करती है। उसके घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जहां संवेदना कोई सजावटी मूल्य नहीं, बल्कि जीवन की अमूल्य शर्त है। वहां दक्षता उपयोगी हो सकती है, पर निर्णायक नहीं, उपलब्धि दिख सकती है, पर मनुष्यता से बड़ी नहीं होती। आज की स्त्री दोहरे मोर्चों पर डटी है। वह ऐसा घर बनाना चाहती है, जहां गणतंत्र किसी एक दिन का उत्सव नहीं, रोज का अभ्यास बने। छोटे-छोटे निर्णयों में, सुने गए प्रश्नों में, रोके गए मुद्दों में और उस सावधानी में, जिससे मनुष्य को परिणामों में नहीं बदला।

आज की सबसे बड़ी चुनौतीः स्त्री जानती है कि प्रतीक जरूरी हैं, पर संरचना सजगता से बनती है। आज की स्त्री अनुभव से सीख चुकी है कि यदि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित है, तो वह अपने घर को प्रयोगशाला नहीं बनने देगी। वह नहीं चाहेगी कि बच्चे आंकड़ों में ढलें और संबंध माप-तौल में सिमट जाएं। आज की स्त्री की समझ सीधी भी है और गहरी भी। अगर नहीं है तो वह अपनी समझ गहरी करती है, क्योंकि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित रहा, तो देश के गणतंत्र को बचाने के लिए बाहर किसी संघर्ष की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मानवता का गणतंत्र न भय पर टिका है, न किसी प्रलोभन पर, बल्कि उस स्वतंत्र सोच और सजग उपस्थिति पर टिका है, जो समय की आंखों में आंखें डालकर प्रश्न कर सके। क्योंकि जीवन भूलों में रहकर ही अपने लिए बेहतर चुनना सीखता है, और यही प्रक्रिया मनुष्य को मनुष्य बनाए रखती है। पर जिस गति से मशीन, मानवीय समय को स्थिर करती हुई मानकीकृत शक्ति को भस्मासुर की तरह बढ़ा रही है, वहां सबसे बड़ी चुनौती यही है कि मनुष्य अपनी अनुभूति, धीमी गति और चूक की संभावना को बचाए रखे। ऐसे समय में स्त्री को किसी एक पक्ष में नहीं, बल्कि संतुलन साधने के उपाय खोजने होंगे, ताकि तकनीकी साधन बनी रहे, निर्णायक न बने, और जीवन अपनी स्वाभाविक लय में बहता रहे। यही उसका गणतंत्र है, अघोषित, पर हर दिन जिया जाने वाला, निरंतर।

स्त्री के लिए चेतना की एक संरचना है गणतंत्र

आज की जागरूक स्त्री के लिए गणतंत्र केवल कोई राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि चेतना की एक संरचना है। एक ऐसा आंतरिक संविधान, जो शोर में नहीं, आत्मसंवाद में रचा जाता है। यह वह गणतंत्र है, जहां सुविधा से पहले विवेक की बात की जाती है। गति से पहले ठहराव आता है और उत्तर से पहले प्रश्न पूछे जाते हैं। क्योंकि प्रश्न पूछना ही मनुष्य की अंतिम आजादी है। स्त्री जानती है कि तकनीक को न तो पूरी तरह नकारा जा सकता है, न आंख मूंदकर अपनाया जा सकता है। इसलिए वह गणतंत्र की गरिमा संसद के शोर में नहीं, अपने घर की चुप्पी में बचाने का संकल्प लेती है। घर जहां वह हर दिन, अनजाने ही, अपना संविधान लिखती है। इस संविधान में सबसे पहले अनुभव का अधिकार सुरक्षित होता है। हर समस्या का त्वरित समाधान नहीं दिया जाता। बच्चे को सोचने दिया जाता है, उलझने दिया जाता है, गिरने और उठने का अवसर दिया जाता है, क्योंकि जीवन उत्तरों से नहीं, प्रक्रिया और प्रतिक्रिया से बड़ा होता है। यहां प्रश्न पूछना अपराध नहीं होता। यहां असहमति अवज्ञा नहीं कहलाती। मशीन से उत्तर लेने से पहले मनुष्य से संवाद किया जाता है। शब्दों के बीच की खामोशी को भी सुना जाता है, समझा जाता है। यहां तकनीक साधन होती है, निर्णायक नहीं। चैटजीपीटी सहायक है, जीवनचर्या का विकल्प नहीं।

नेतृत्वशील बनकर मजबूत करें देश का गणतंत्र

अगर आपके भीतर नेतृत्व के गुण हैं तो आप सशक्त होकर देश के गणतंत्र को भी मजबूत करने में अपना योगदान दे सकती हैं। नेतृत्वशील कैसे बनें, जानिए-

भूमिका
नलिन खोईवाल

आप किसी भी क्षेत्र में हों, आपके भीतर नेतृत्व क्षमता यानी लीडरशिप की क्वालिटी है तो आप न सिर्फ तरक्की पाएंगी, सशक्तिकरण की राह पर भी आएंगी। इस तरह महिलाएं सशक्त बनकर, अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वाह करके देश के विकास में अपना योगदान देकर, देश का गणतंत्र मजबूत कर सकती हैं। आप भी नेतृत्वशील बनिए। इसके लिए आपके भीतर कुछ खूबियों का होना जरूरी है, ये कौन-सी हैं, जानिए-

त्वरित निर्णय लेने की क्षमताः अच्छा नेतृत्व वही कर सकता है, जो अच्छा प्रबंधक हो। अच्छा प्रबंधक बनने के लिए त्वरित निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कोई बात सही है या नहीं, योजना उचित है या नहीं, निर्णय न्यायसंगत है या नहीं, इसके लिए स्वविवेक से निर्णय लेने की भी क्षमता होना बहुत जरूरी है।

दृढ़ इच्छाशक्ति और सेवाभावीः कुशल नेतृत्व वही कर सकता है, जिसके भीतर दृढ़ इच्छाशक्ति और पक्का इरादा हो। आप जो भी निर्णय लें दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ लें। साथ ही आपका व्यक्तित्व सेवाभावी और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाला भी होना चाहिए।

चेहरा हो मुस्कान भराः एक हंसता-मुस्कराता चेहरा, सौ मर्ज की दवा है। एक मधुर मुस्कान भारी से भारी थकान को चुटकी में दूर कर देती है। सफल प्रबंधन के लिए जरूरी है कि आप स्वभाव से हंसमुख भी हों।

ईमानदार, सामर्थ्यवान और बुद्धिमान बनेंः आप जिस भी संस्थान में काम कर रही हों, वहां पूरी लगन, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें। काम कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, आपके भीतर उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ करने की सामर्थ्य होनी चाहिए।

सोच हो सकारात्मकः आप जहां भी अपनी सेवाएं दें, नकारात्मक विचारों को त्यागकर सकारात्मक सोच के साथ अपनी सेवाएं दें। जैसी दृष्टि होगी, वैसी ही सृष्टि होगी। कर्म में विश्वास करें और औरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

समय प्रबंधन हो कुशलः नेतृत्व में कुशल महिलाएं हमेशा समय का उचित प्रबंधन करके चलती हैं, क्योंकि कम समय में बहुत सारे काम करने होते हैं। समय के साथ चलें और समय की कीमत को पहचान कर आगे बढ़ें। सफलता के लिए जरूरी है कि कार्य की प्राथमिकता तय कर कार्यों का निष्पादन करें।

बनें परिवर्तनशील और बढ़ावा दें नवचारिता कोः परिवर्तन संसार का नियम है, परिस्थितियों के अनुसार प्रतिष्ठान की कार्यशैली में बदलाव करती रहें। नए-नए प्रयोग कर नवचारिता को बढ़ावा दें। इससे संस्थान में स्वस्थ वातावरण बनेगा, सबकी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

हो समर्पण और टीम भावनाः आप काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहें और जरूरत पड़ने पर त्याग करने के लिए तत्पर रहें। सभी को साथ लेकर चलें, टीम भावना का विकास करें, क्योंकि संगठन में ही शक्ति है।

व्यक्तित्व हो सरल-सादगीपूर्णः आपका व्यक्तित्व ऐसा सरल और सादगीपूर्ण होना चाहिए कि दूसरों पर एक अच्छा प्रभाव छोड़े और आप लोगों के लिए एक मिसाल बनें। दिखावे की जिंदगी न जिएं। सादा जीवन-उच्च विचार को महत्व दें।

व्यवहार हो मृदुः एक टीम लीडर के रूप में आपका प्रयास यही हो कि कार्यालय में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहे, इससे लोग अनावश्यक तनाव से बचे रहेंगे। आप भी निश्चिंत होकर अपने कार्य का निर्वहन अच्छे से कर पाएंगी।

यहां बताई गई इन बातों को ध्यान में रखेंगी तो सफलताएं आपकी कदम चूमेंगी। देश के विकास में आपकी अहम भूमिका होगी।

वसंत ऋतु में निहित भावबोध को समझें तो यह हमारे भीतर की एक अनुभूति भी है, जीवन जीने की एक कला है। आज की स्त्रियां इस जीवन कला को पूरे मन से अपना रही हैं, अपने संग अपनों के जीवन को वासंती रंगों से संवार रही हैं।

वसंत को जीवनपर्यंत जीती हैं स्त्रियां

जीवनशैली
सरस्वती रमेश

वसंत ऋतु परिवर्तन, सृजन, ज्ञान और नवजीवन का द्योतक है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला वसंत पंचमी, शीत ऋतु के अंत और वसंत ऋतु के आगमन का संदेश लेकर आता है। एक तरह से यह प्रकृति की ऊष्मा को जीवन में उतारने का संदेश लेकर भी आता है। इस संदेश को अपनाने में महिलाएं सबसे आगे होती हैं। वसंत और महिलाओं की प्रकृति का यह साम्य आजीवन बना रहता है।

घर में बिखेरती हैं वसंत की सुगंधः एक स्त्री के जीवन का वसंत ठीक वैसा ही होता है, जैसा प्रकृति के बाहरी स्वरूप में दिखाई पड़ता है। जिस तरह प्रकृति अपने भीतर के साज, कोमलता, रंग, गंध और जीवन को वसंत के माध्यम से अभिव्यक्त करती है, ठीक वैसे ही एक स्त्री प्रकृति के इन विशेषणों को अपने जीवन और आचरण में धारण कर अपने घर-परिवार में बारहों महीने वसंत होने का अहसास भरती है। कोयल के कूकने में, आम्र मंजरियों की सुगंध में, सरसों के पीले फूलों को देखने में जो आनंद की अनुभूति होती है, कुछ-कुछ वैसी ही अनुभूति एक स्त्री सुबह-सुबह चाय की प्याली में भर कर घर भर में बिखेर देती है। उसके पकाने-खिलाने, सजाने-संवारने, पालने-पोसने से जुड़ी हर क्रिया में वसंत का ही राग और रंग निहित होता है। परिवार के हर सदस्य की जरूरत का ख्याल रखकर उनके जीवन में खुशी और संतुष्टि के फूल घर की स्त्री ही खिलाती है। स्त्री के परिश्रम और समर्पण से ही उसके घर के कोने-कोने में वसंत हर समय मुस्कुराता है।

अपनों के जीवन में घोलती हैं रंगः स्त्रियों के जीवन का वसंत कोमल या संकुचित नहीं जीवंत, कर्मठ और विस्तृत होता है। आज की स्त्री अपने जीवन में वसंत लाने के साथ ही अपने पूरे परिवार के सपनों में रंग भी भरती है। वसंत का अर्थ भी यही है। हर ओर फूल, हर ओर हरियाली, हर ओर खुशहाली। उसका मानना है कि जब तक परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने जीवन में संतुष्टि, कामयाबी, प्रेम, अपनत्व और प्रसन्नता का वसंत नहीं महसूस करेगा, तब तक उसके जीवन में आया वसंत एकाकी और उल्लासहीन रहेगा। उसमें उल्लास तभी शामिल होगा, जब उसके अपनों के मन के तार भी एक साथ झंकृत हों। इसीलिए आज की स्त्रियों ने घर-परिवार और बाहरी संसार के बीच कुछ इस तरह संतुलन बनाना सीख लिया है कि हर ओर वसंत मुस्कुरा उठे।

पराए को बना लेती हैं अपनाः स्त्री के जीवन में वसंत जीवन भर उसके संग-संग सहचर बना रहता है। बचपन के दिनों में बाबुल के आंगन में उनकी चहचहाहट, किशोरवय की उनकी खिलखिलाहट वसंत के फूलों की तरह घर-आंगन में झरती रहती है। बेटियों के लिए उनके मां-बाप का दुलार-प्यार उनके जीवन के वसंत का सबसे मोहक पक्ष होता है। बहू के रूप में सास-ससुर, ननद, जेठ-जेठानी और देवर को सम्मान और स्नेह के सुगंध से अपना बना लेती हैं। पत्नी के रूप में अपने पति के जीवन का तो वसंत ही बन जाती हैं। ऐसी खिलती और महमहाती हैं कि पराया घर, पराए लोग कब अपने बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

लुटाती हैं वसंत की ऊष्माः स्त्रियां घर-परिवार में मनाए जाने वाले पर्व-त्योहारों में नए रंग भर देती हैं। रिश्तों में मायूसी की सारी बर्फ, ठिठुरन, ठहराव की शीत पर वसंत की ऊष्मा छिड़कते हुए हर ओर अपनेपन और प्यार के फूल खिलाती हैं, जीना सिखाती हैं।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

स्किन को यंग बनाएगा केले का छिलका

हम अकसर केला खाने के बाद उसका छिलका डस्टबिन में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि केले का छिलका आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है? केले का छिलका एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी-6, विटामिन-सी, पोटेशियम और मिनरल्स से भरपूर होता है, जो कि आपकी त्वचा और बालों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। विटामिन त्वचा को पोषण देते हैं और चमक बढ़ाते हैं। पोटेशियम त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है जबकि एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को धूप और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

फेस मास्कः यह फेस मास्क बनाने के लिए केले के छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इन्हें मिक्सी में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में आधा चम्मच चावल का आटा और आधा चम्मच चीनी मिलाएं। इन तीन चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें। इस तरह आपका नेचुरल फेस मास्क तैयार हो जाएगा। इस फेस मास्क को अप्लाई करने से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि त्वचा पर जमी मैल और गंदगी हट जाए अन्यथा इसके पॉजिटिव रिजल्ट नहीं आएंगे। इसके बाद इस फेस मास्क को त्वचा पर समान रूप से लगाएं और प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। जब मास्क सूख जाए तो ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इस मास्क को रोजाना एक बार लगाने से आपकी त्वचा मुलायम, साफ और चमकदार बनेगी। आप चाहें तो यह पेस्ट ज्यादा मात्रा में बनाकर एयर टाइट कंटेनर में भी रख सकती हैं और जरूरत के अनुसार इसका उपयोग कर सकती हैं।

फाइन लाइंस के लिएः अगर आपके चेहरे पर समय से पहले फाइन लाइंस आनी शुरू हो गई है या दाग-धब्बों से परेशान हैं। तो भी केले का छिलका मददगार हो सकता है। इसके लिए पके हुए केले का छिलका लेकर अंदर वाले हिस्से से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करें। खासकर दाग-धब्बों या पिंपल्स वाली जगह पर। इसके बाद आधे घंटे तक छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

रिंकल्सफ्री स्किन के लिएः केले के छिलके के अंदर वाले हिस्से को चेहरे पर कुछ मिनट के लिए रगड़ें, फिर गुलाब जल लगाएं। इसके बाद 25 मिनट के बाद चेहरा धो लें। बेहतर परिणामों के लिए इसका नियमित इस्तेमाल करें।

स्किन टोनिंग के लिएः केले के छिलके को मैश करके इसमें दही मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के बाद आधे घंटे के लिए छोड़ दें फिर ताजे ठंडे पानी से धो डालें। इसके नियमित उपयोग से कील-मुंहासों को चेक करने में भी मदद मिलेगी।

डार्क सर्कल के लिएः आंखों के नीचे के काले घेरे दूर करने में भी केले का छिलका असरदार साबित होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले केले के अंदर का सारा रेशा निकालना होगा। इसमें एक चम्मच एलोवेरा जैल मिलाकर आंखों के आस-पास 15-20 मिनट लगाएं और बाद में ताजे पानी से धो डालें। इसके रोजाना उपयोग से आंखों के नीचे की रंगत में असर दिखाई देगा।

नई सोच
चैतन्या

इस बार वसंत ऋतु में सरस्वती पूजन का पर्व और राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी) का संयोग, अपने में कई संदेश लेकर आया है। संदेश यह कि हमारे प्रोत्साहन से बेटियां अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकती हैं।

हमारी बेटियां बनें विवेकशील-सशक्त

वसंत, नव सृजन और उल्लास की रुत है। यह मौसम हर ओर खिले रंग-बिरंगे फूलों और भंवरों की गुंजन के बीच नई ऊर्जा संग जीवन से जुड़ जाने का उल्लास साथ लाता है। मां शारदा की उपासना का उत्सव, वसंत पंचमी भी सर्दी के कुहासे से निकलकर प्रकृति की रौनक से मिलने का पर्व है। ज्ञान, संगीत और कला की देवी वीणावादिनी के अर्चन का पर्व मन से रचनात्मक और जीवन को उल्लासित दृष्टि से देखने वाली बेटियों के लिए भी बहुत अहम होता है। हमारे परिवारों में समय के साथ आए बदलावों ने इस पर्व को और सार्थक बना दिया है। बेटियों की शिक्षा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता के प्रति बदली सोच वसंत पंचमी के उत्सव से जुड़े सुंदर-स्नेह भरे रंगों से मिलवाती है। जिसमें देवी की आराधना के साथ ही बेटी की अनुभूतियों को समझने का भाव भी जुड़ गया है।

लाडलियों के ज्ञान का मानः बेटियां हमेशा से ही घर-आंगन की रौनक मानी जाती हैं। उनकी खिलखिलाहट के बिना हर उत्सव अधूरा लगता है। बेटियों की खुशी और उल्लास अपनों के जीवन में वासंती रंग भर देते हैं। नृत्य-संगीत जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में बेटियों की खूब रुचि रहती है। एक समय था, जब उनके अस्तित्व को घर के बाहर की दुनिया से जोड़कर नहीं देखा जाता था। कलात्मक क्षेत्रों में उनके रुझान को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन अब बेटियां अपनी कला, बुद्धि और विवेक से हर ओर छाई हुई हैं। परिवार से लेकर समाज और देश के आंगन तक, बेटियों की मौजूदगी दिखती है। उनकी भागीदारी ही नहीं ज्ञान का भी मान होने लगा है। लाडलियों की रचनात्मकता पर अब उनके अपने गर्व करते हैं। ऐसे में ज्ञान, कला और संगीत की देवी के पूजन का पर्व और प्रासंगिक लगता है। वैसे भी वसंत पंचमी का त्योहार पौराणिक और धार्मिक महत्व का ही नहीं सृजनात्मक कार्यों की नई शुरुआत के लिए भी बहुत खास होता है। इस दिन बेटियां भी माता सरस्वती से अपनी प्रतिभा निखारने का आशीर्वाद मांगती हैं।

सशक्त बनाता स्नेहः हमारे घरों में अब बेटियों को देश की शिक्षित-सजग नागरिक बनाने वाला स्नेही भाव साफ दिखता है। यह बदलाव हर बालिका को सही मायने में सशक्त बनाने वाला है। कहते हैं कि अज्ञान का अंधकार दूर होने से ही जिंदगी में सुनहरा सवेरा होता है। मां सरस्वती की उपासना का यह पर्व भी मन को चेतनामयी बनाने का ही तो उत्सव है। देखने में आ रहा है कि अब बिटिया के जज्बाती भावों को नहीं, जागरूक सोच को भी जरूरी माना जाने लगा है। अपनी लाडलियों को प्रभावी व्यक्तित्व की धनी बनाने पर जोर दिया जाता है। जिसके चलते ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माता शारदा की उपासना की रीत वाले हमारे परिवेश में बेटियां भी अपनी बुद्धि और समझ के बल पर नित नए आसमान छू रही हैं। हर दिन अपनी जिजीविषा और प्रतिबद्धता के बल पर कुछ कर गुजरने के उदाहरण सामने आते रहते हैं।

भविष्य की बुनियादः असल में वसंत की दस्तक को सार्थक विचारों का आगमन भी माना जाता है। बेटियों के प्रति बर्ताव में आया अर्थपूर्ण बदलाव, परिवार ही नहीं, पूरे समाज के भविष्य की बुनियाद बनाने की भी शुरुआत है। घर-परिवार में लाडलियों के प्रति लगाव का भाव उनके स्वतंत्र अस्तित्व और आकांक्षाओं की स्वीकार्यता के सुखद पहलू लिए है।

पुलिस के साथ वालंटियर संभालेंगे कार्यक्रम की व्यवस्था

महामंडलेशवर श्रीरामभद्राचार्य की सात दिवसीय श्रीराम कथा में 5 लाख श्रद्धालु पहुंचने का अनुमान

भगवान श्रीराम के सिद्धांतों का अनुसरण करने वाले परिवारों में द्वेष नहीं पनप सकता, मोह, लोभ और लालच से मिलेगा छुटकारा: विनीत पिलानिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। निजामपुर

अमरपुर जौरासी धाम में 23 जनवरी से आयोजित होने वाली सात दिवसीय श्रीराम कथा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कमेटी की बैठक हुई। जिसमें श्रद्धालुओं को बैठने और उनकी विभिन्न सुविधाओं पर मंथन किया। 151 कुंडों का निर्माण करके उनकी सजावट करने की जिम्मेवारियों सौंपी गई हैं, साथ ही वालियंटरों की नियुक्ति की गई है। जिन्हें पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर व्यवस्थाएं बनाए रखने में योगदान देने की हिदायत दी गई है। उक्त

निजामपुर। श्रीराम कथा स्थल का जायजा लेते धाम के पुजारी कमलकांत व गौसेवक सुधीर चौधरी। फोटो : हरिभूमि

जानकारी कार्यक्रम के संयोजक विनीत पिलानियां व गौसेवक सुधीर चौधरी ने गांवड़ी जाट में ग्रामीणों को न्यौता देते हुए दी है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने समाज को जोड़ने तथा बुजुर्गों का सम्मान बढ़ने के लिए त्याग व बलिदान की मिशाल कायम की थी। उन्होंने सामाजिक मर्यादाओं की पालना करने के लिए सहर्ष वनवास स्वीकार कर लिया तथा परिवार में द्वेष भावना का समावेश नहीं होने दिया। पिता के वचनों का सम्मान बढ़ाने के लिए उन्होंने 14 साल तक सन्यासी जीवन यापन किया था, जिससे समाज को मातृ-पितृ भक्त होने का संदेश मिलता रहेगा। भगवान श्रीराम के सिद्धांतों और मर्यादाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अमरपुर जौरासी धाम पर प्रदेश स्तरीय श्रीराम कथा का आयोजन होगा जिसमें 100 से अधिक मंडलाधीश व दिग्गज राजनेता शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि श्रीरामभद्राचार्य द्वारा पहले दिन शिव विवाह, दूसरे दिन श्रीराम जन्म कथा, तीसरे दिन बाल लीला, चौथे दिन सीताराम विवाह कथा, पांचवे दिन श्रीराम वन प्रस्थान व केवट चरित्र वर्णन, छठे दिन शबरी प्रेम कथा तथा सातवें दिन रावण वध व श्रीराम का राजतिलक पर आधारित कथा होगी। कथा कार्यक्रम के लिए करीब 50 एकड़ जमीन का प्रबंध किया गया है। पांच हजार वालिटीयर व सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ता सेवाएं देंगे।

वीआइपी पार्किंग में 600 वाहन खड़े होने की क्षमता, 28 एकड़ में लगेगा पंडाल

कार्यक्रम के संयोजक विनीत पिलानिया एवं समाजसेवी सुधीर चौधरी ने बताया कि पंडाल के बायीं तरफ छह वाहनों की पार्किंग के लिए जगह निर्धारित की है, जहां वीआइपी व मठाधीशों की गाड़ियां खड़ी होंगी। इससे 500 मीटर दूरी पर एक-एक हजार वाहनों की दो पार्किंग बनाई जाएंगी। श्रीराम कथा के लिए 28 एकड़ जमीन पर वाटर प्रूफ पंडाल लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समारोह में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा।

अवार्ड शिक्षण कार्यों के शिक्षाविदों को प्रेरणा देगा

शिक्षक सुभाषचंद यादव को मिला आरडी सोमानी शिक्षा रत्न अवार्ड

नारनौल। शिक्षा रत्न अवार्डी सुभाषचंद अवार्ड में मिले प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न।

नारनौल। जिला के पोता गांव निवासी प्रमुख शिक्षाविद् और महाराणा प्रताप शिक्षण महाविद्यालय के प्राध्यापक सुभाषचंद यादव को स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमानी शिक्षा रत्न अवार्ड मिला है। ।उन्हें यह अवार्ड गत दिवस रेवाड़ी में सोमानी इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह में संस्था के चेयरमैन विजय सोमानी तथा अन्य सदस्यों ने प्रदान किया। महाविद्यालय में पहुंचने पर स्टाफ सदस्यों ने सुभाषचंद यादव को साफा पहनाकर सम्मानित किया तथा लड्डू बांटकर खुशियां मनाई। स्टाफ सदस्य प्राध्यापक नवीन जांगड़ा, रितिक व परमजीत शर्मा ने कहा कि सुभाषचंद यादव ने शिक्षा के क्षेत्र में ईमानदारी और पूरी निष्ठा से जो कार्य किया है, वह एक मिसाल है। उनको यह अवार्ड मिलने से इलाके के दूसरे शिक्षण कार्यों से जुड़े शिक्षाविदों को प्रेरणा देगा। सुभाष यादव ने अवार्ड के लिए स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमाणी शिक्षण संस्थान रेवाड़ी का आभार जताया। उन्होंने अवार्ड की मर्यादा को अक्षुण रखने के लिए और अधिक मेहनत, कार्यकुशलता और निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

शिक्षा और खेल से बनेगी बेटियों की पहचान: बहादुर सिंह

चतुर्थ एथलेटिक मीट में छात्राओं ने दिखाया साहस, ईशा सर्वश्रेष्ठ एथलीट

- खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, टीम भावना एवं सकारात्मक सोच का भी विकास करते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कनीना

राजकीय महिला महाविद्यालय उन्हाणी में सोमवार को चतुर्थ वार्षिक एथलेटिक मीट व सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि नांगल चौधरी के पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह थे। जिन्होंने खेलों में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पारितोषिक वितरण किया सम्मानित किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा और खेल छात्राओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाते हैं। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, टीम भावना एवं सकारात्मक सोच का भी विकास करते हैं।बेटियां शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी पहचान कायम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से हैं छात्राओं में राष्ट्र के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना जागृत होती है।

कनीना। मेधावी छात्राओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि व अन्य। फोटो : हरिभूमि

1500 मीटर दौड़ में ईशा रही प्रथम

प्राचार्य डॉ विक्रम यादव ने कहा कि महाविद्यालय छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। महाविद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियां छात्राओं में आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी छात्राओं को पढ़ाई तथा खेलों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। एथलेटिक मीट के दौरान विभिन्न ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें छात्राओं ने पूरे उत्साह एवं खेल भावना के साथ भाग लिया। उन्होंने बताया कि 1500 मीटर दौड़ में ईशा प्रथम, निधि द्वितीय एवं खुशबु तृतीय स्थान पर रहीं। 800 मीटर दौड़ में निधि प्रथम, निकिता द्वितीय तथा उमा तृतीय स्थान पर रहीं।

विजेता सम्मानित

400 मीटर एवं 100 मीटर दौड़ में क्रमशः ईशा व मौसम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। फील्ड प्रतियोगिताओं में डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो एवं शॉट पुट में मीनाक्षी व ईशा का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। लॉन्ग जंप एवं हाई जंप में ईशा ने प्रथम स्थान हासिल किया। समग्र उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ईशा को प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया गया।समापन समारोह में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । जबकि सर्वश्रेष्ठ एथलीट को विशेष पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। सात दिवसीय विशेष शिविर में तनीषा व बिंदु सर्वश्रेष्ठ कैम्पर तथा अंजली व निधि सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवीका रही है ।कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी नीतू कुमारी व सीमा कुमारी द्वारा किया गया। एथलेटिक्स मीट का आयोजन सत्यजीत यादव की देख रेख में किया गया।

शिविर में प्राप्त हो रही पीपीपी, बिजली,पानी संबंधित समस्याएं

समाधान शिविर में सीटीएम सैन ने सुनीं 72 शिकायतें

नारनौल। हरियाणा सरकार के निर्देश अनुसार सोमवार लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने आमजन की समस्याएं सुनीं। नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने कहा कि हरियाणा सरकार का यह प्रयास जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि सोमवार को समाधान शिविर में कुल 72 शिकायतें प्राप्त हुईं,जिनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का मौके पर ही प्राथमिकता के आधार पर निपटान सुनिश्चित किया जाए। जिससे आमजन को आने वाली समस्याओं का त्वरित व पारदर्शी समाधान मिल सके। उन्होंने बताया कि शिविरों में मुख्य रूप से परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, पुलिस, बिजली, पानी, और सड़क से संबंधित शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इस मौके पर डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

- डीएसपी सुरेश कुमार भीं रहे मौजूद

नारनौल। समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनते नगराधीश डॉ मंगल सेन। फोटो : हरिभूमि

जैलाफ से चिंडालिया के रास्ते को पक्का करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

नारनौल। गांव जैलाफ के सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने जैलाफ से चिंडालिया रास्ता पक्का बनवाने की मांग की है। रावत ने बताया कि इसके लिए गत 24 जुलाई 2025 को नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव को उनके हल्का के गांवों के दौरे के दौरान भी यह मांग उठाई गई थी और आज सोमवार को उनके निजी सचिव को ज्ञापन सौंपा गया है। गांव जैलाफ के ग्राम पंचायत मेम्बर पंच त्रिलोक चंद भरगड़, अमर सिंह पंच, हनुमान इन्स्पेक्टर, बाबूलाल, रोहतास, छितरमल नम्बरदार, मुकेश मुकदम, शीशराम ने बताया कि जैलाफ-चिंडालिया रास्ता पर गांव के खेत लगते हैं। खेतों में आने जाने के लिए गांव के ग्रामीणों, पशुओं के लिए चारा लाने के लिए महिलाओं को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने ज्ञापन देते हुए बताया कि यह रास्ता दो गांवों को जोड़ने के साथ–साथ राजस्थान की सीमावर्ती गांवों को भी जोड़ती है।

महिलाओं को करना पड़ रहा परेशानी का सामना

बीईओ से डिप्टी डीईओ पदोन्नत होने पर कर्मचारियों ने किया स्वागत

कनीना। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बीईओ का जिला उप शिक्षा अधिकारी के पद पर परमोशन होने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कर्मचारियों ने दिलबाग सिंह का स्वागत सत्कार किया। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कर्मचारी गुलशन ने बताया कि गत दिनों शिक्षा विभाग द्वारा दिलबाग सिंह को खंड शिक्षा अधिकारी से पदोन्नत कर के उप जिला शिक्षा अधिकारी बनाने के आदेश जारी किए थे। दिलबाग सिंह द्वारा शिक्षा विभाग में 1994 में बतौर प्रवक्ता के पद पर सेवा कार्य शुरू किया था। वर्ष 2018 में इन्हें राज्य शिक्षक पुरुस्कार से नवाजा गया। दिलबाग सिंह ने कहा कि पदोन्नति के बाद वे अपना कार्य पूरी निष्ठा के पूरा करेंगे।

सभा में समस्याओं को सूचीबद्ध करेंगे अधिकारी

नांगल चौधरी। विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विभाग ने सभी नपा में एरिया सभा आयोजन के निर्देश दिए हैं। जिसमें 10 फीसदी मतदाताओं की उपस्थिति होना अनिवार्य रहेगा साथ ही सभा में दर्ज की गई समस्याओं को निर्धारित अवधि में समाधान करना जरूरी है। इसके लिए विभाग ने शेड्यूल जारी कर दिया जिसके मुताबिक नांगल चौधरी नपा में 21 जनवरी से एरिया सभा का आयोजन आरंभ किया जाएगा। उक्त जानकारी नपा के सचिव ललित गोयल ने दी है।

- मीटिंग में 10 फीसदी मतदाताओं की हाजिरी जरूरी

उन्होंने बताया कि सरकार ने नगर पालिका नागरिक भागीदारी एक्ट बनाया है। जिसमें वार्ड वाइज सभी मतदाताओं को मीटिंग का सदस्य बनाया गया है। विभागीय निर्देशानुसार एरिया मीटिंग की वीडियो ग्राफी बनाई जाएगी तथा रजिस्ट्रर में हस्ताक्षर कराए जाएंगे।

ट्रेन नंबर 19701 के आगमन पर पायलट व लोको पायलट सम्मानित

सतनाली स्टेशन पर सैनिक एक्सप्रेस के ठहराव का स्वागत, रेल सेवा समिति में खुशी

- रेल के ठहराव से जयपुर–दिल्ली की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

हरिभूमि न्यूज ▶▶। सतनाली मंडी

सतनाली रेलवे स्टेशन पर सैनिक एक्सप्रेस के ठहराव की सौगात मिलने पर सतनाली रेल सेवा समिति की ओर से हर्षोल्लास के साथ स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्टेशन पर रविवार मध्यरात्रि पश्चात दोनों ट्रेनों के आगमन पर समिति प्रधान दीवान सिंह शेखावत एवं मार्केट कमेटी चेयरमैन भागीरथ सिंह शेखावत के नेतृत्व में समिति द्वारा लोको पायलट (चालक दल) एवं ट्रेन मैनेजर (गार्ड) को पारंपरिक पटका पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

स्टेशन पर ट्रेन नंबर 19701 जयपुर-दिल्ली के आगमन पर समिति द्वारा लोको पायलट मनोज कुमार वर्मा एवं सहायक तथा ट्रेन मैनेजर युधिष्ठिर यादव को पारंपरिक पटका पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। इसके बाद 19702 दिल्ली-जयपुर के आगमन पर ट्रेन के लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट तथा ट्रेन मैनेजर दीपक सांगा को भी पारंपरिक पटका पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

सतनाली। सैनिक एक्सप्रेस के ठहराव पर लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर का स्वागत करते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

यात्रियों को मिलेगी राहत

समिति प्रधान दीवान सिंह शेखावत एवं मार्केट कमेटी चेयरमैन भागीरथ सिंह शेखावत ने कहा कि सैनिक एक्सप्रेस के ठहराव से न केवल क्षेत्र के यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा में राहत प्राप्त होगी अपितु इससे क्षेत्र की जयपुर-दिल्ली से कनेक्टिविटी मजबूत होगी और समय व धन की बचत संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से सतनाली स्टेशन पर महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग की जा रही थी।

27 जनवरी को आयोजित होगी ग्रामसभा

ग्राम पंचायत सिहमा में कोरम पूरा न होने पर सभा स्थगित

हरिभूमि न्यूज ▶▶। मंडी अटेली

ग्राम पंचायत सिहमा में आयोजित ग्रामसभा की बैठक कुल मतदाताओं के 40 प्रतिशत कोरम की पूर्ति न होने के कारण सभा स्थगित हो गई थी। उसके बाद सोमवार को ग्रामसभा की बैठक ग्राम सचिवालय में हुई, जिसमें 30 प्रतिशत कोरम की पूर्ति नहीं होने पर वह भी स्थगित कर दी गई। निर्धारित कोरम पूरा न होने के चलते ग्रामसभा को स्थगित कर आगामी 27 जनवरी को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस बारे में सरपंच सुमन देवी ने बताया कि पंचायत के जागरूक सदस्य एवं कुछ ग्रामीण ही बैठक में मौजूद रहे। दरअसल, खंड के सभी 29 गांवों में 17 व 18 जनवरी को विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की गई थी।

बैठक निरस्त

सिहमा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी सचिन ने बताया कि पहली बैठक में वोटरों की आबादी का 40 प्रतिशत आबादी ग्राम सभा बैठक में नहीं पहुंची तो कोरम के अभाव में इस बैठक को निरस्त कर दिया जाएगा। दोबारा ग्राम सभा की बैठक बुलाई जाएगी और इसमें 30 प्रतिशत आबादी का उपस्थित होना जरूरी होगा। उसके बाद फिर ग्राम सभा की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें 20 प्रतिशत आबादी का उपस्थित होना जरूरी है। हमनें ग्रामीणों की उपस्थिति का एक रजिस्टर बनाया हुआ है। इस रजिस्टर में ग्राम सभा बैठक में उपस्थित सभी के हस्ताक्षर होंगे। इन ग्राम सभा की बैठकों में पंचायत अपने प्रस्ताव पारित करा कर अपने कार्य करवा सकती है।

20 से 25 जनवरी तक होंगे नामांकन

अंबेडकर स्मारक समिति में चल रही चुनावी प्रक्रिया में आया नया आदेश

नामांकन पत्र दाखिल करने का समय अब 20 से 25 जनवरी तक, वहीं अब चुनाव आठ को होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। महेंद्रगढ़

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति में चल रही चुनावी प्रक्रिया के समय में फेरबदल किया गया है। चुनाव अधिकारी मनीराम ने बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मारक समिति महेंद्रगढ़, जिसका पंजीकरण संख्याःएनएनएल/17 वर्ष 2004-05 से पंजीकृत है तथा उक्त समिति हरियाणा रजिस्ट्रेशन एवं रेगुलेशनन ऑफ सोसायटी एक्ट 2012 के तहत वर्ष 2014 मे पंजीकरण संख्या 00डी21 को दिनांक 12.05.2014 को इस कार्यालय से पंजीकृत संस्था है। इस कार्यालय के पत्र कमांकः 1518 दिनांकः15.12.2025 के माध्यम से चुनाव अधिकारी डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति को संस्था की कार्यकारिणी के चुनाव करवाने के लिए निर्देश दिए थे। इस संस्था के चुनाव अधिकारी ने 12.01.2026 को संस्था की कार्यकारिणी के लिए चुनाव कार्यक्रम जारी किया था। चुनाव कार्यक्रम बारे सुंदरलाल जौरासिया ने गत 14 जनवरी को एक पैटीशन इस कार्यालय में लगाई तथा नामांकन का समय कम होने पर ऐतराज जताया था। 15 जनवरी को सभी पक्षों को सुना गया है और अन्य शिकायतें भी कार्यालय में प्राप्त हुई, जिसमें भी नामांकन का समय बढ़ाने का निवेदन किया गया है। चुनाव कार्यकम का अवलोकन करने पर पाया गया कि चुनाव कार्यकम में नामांकन से पहले व नामांकन के लिए समय कम कर दिया गया है, जिससे इतने कम समय में सभी सदस्यों को सूचना पहुंचना संभव नहीं है।

अंबेडकर भवन का मुख्यद्वार।

शिकायत का निवारण

चुनाव कार्यकम का अवलोकन करने पर पाया गया कि चुनाव कार्यकम में नामांकन से पहले व नामांकन के लिए समय कम कर दिया गया है, जिससे इतने कम समय में सभी सदस्यों को सूचना पहुंचना संभव नहीं है। अतः पारदर्शिता के लिए संस्था के चुनाव अधिकारी को निर्देश दिए कि चुनाव कार्यकम को पुनः निर्धारित करें।

कार्रवाई | सीआईए नारनौल और शहर थाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर और अन्य आरोपियों को किया गिरफ्तार

विभाग की जवाबी कार्रवाई में हिस्ट्रीशीटर शिवदयाल पैर में गोली लगने से हुआ घायल

पुलिस की बड़ी कार्रवाई : मुठभेड़ मामले में अब तक 7 अवैध हथियार, 97 जिंदा कारतूस किए बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

जिला पुलिस ने अपराध व अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। सीआईए नारनौल और शहर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस मुठभेड़ के बाद हिस्ट्रीशीटर शिवदयाल, उसके साथी करणजीत सिंह और हथियारों को छिपाने वाले तीसरे आरोपित रविन्द्र को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने इस मामले में आरोपितों के कब्जे से कुल सात अवैध हथियार और 97 जिंदा कारतूस बरामद कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। डीएसपी भारत भूषण ने सोमवार प्रेस वार्ता में बताया कि सीआईए नारनौल की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि मौहल्ला सलामपुरा फायरिंग मामले का मुख्य आरोपित शिवदयाल ट्रेन द्वारा नारनौल आ रहा है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपितों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी थी, जिसमें एक गोली सीआईए इंचार्ज की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी थी। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में हिस्ट्रीशीटर शिवदयाल पैर में गोली लगने से घायल हो गया था।

नारनौल। बरामद हथियार के बारे में जानकारी देते डीएसपी भारत भूषण।

शिवदयाल ने छिपाने के लिए रखे थे हथियार, तीसरा आरोपित भी काबू

जांच में पुलिस ने आरोपित शिवदयाल से पूछताछ के आधार पर मामले के तीसरे आरोपित रविन्द्र को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से दो देशी पिस्तौल और 82 जिंदा कारतूस बरामद किए थे, जो शिवदयाल ने उसे छिपाने के लिए दिए थे। आरोपित रविन्द्र को रविवार को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपित करणजीत रिमांड के दौरान पूछताछ की, जिसकी निशानदेही पर तीन अवैध हथियार व 10 जिंदा कारतूस ओर बरामद किए गए हैं। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस ने अब तक कुल सात अवैध हथियार और 97 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं, जो जिला पुलिस की एक बड़ी उपलब्धि है। पुलिस बरामद हथियारों के स्रोतों का पता लगाने के लिए जांच को आगे बढ़ा रही है।

ग्राम पंचायत जुड्ड़ी, जिला रेवाड़ी
नीलामी सूचना
सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि ग्राम जुड्ड़ी में पंचायती झोटा जो ग्रामवासियों को परेशान करता है। इसकी नीलामी 24.01.2026 को प्रात 10:00 बजे धर्मशाला में की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति पहुंचने का कष्ट करे।
सम्पर्क सूत्र - 9729792-555 9466314155
हस्ता/- अजीत कुमार, सरपंच
ग्राम पंचायत जुड्ड़ी खण्ड नाहड़ (रेवाड़ी)

पंचायती जमीनों पर बने मकानों को नियमित करने की समय सीमा खत्म

रास्तों से खेतों तक की जमीन पर कब्जे, निर्माण नियमित करवाने के लिए आवेदन, अनुमति की गुंजाइश नहीं

- डीडीपीओ कार्यालय को मिले अंतिम तीन दिनों में ही 200 से अधिक आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। एक गांव में अवैध कब्जे हटाती हुए टीम। फोटो : हरिभूमि

जिले के ज्यादातर गांवों में पंचायती रास्ते और जमीनों पर अवैध कब्जों की भरमार है। रास्ते और जोहड़ छोड़कर अन्य जमीनों पर वर्ष 2004 से पहले बने मकानों को नियमित कराने के लिए प्रदेश सरकार की ओर से 16 जनवरी तक की समय सीमा निर्धारित की थी। अंतिम 3 दिनों में जिले से 200 से अधिक लोगों ने मकान नियमित कराने के लिए आवेदन किए, जिनमें सर्वाधिक रास्तों और खेतों की जमीनों पर कब्जे से संबंधित हैं। इन मकानों को नियमित करने का कोई प्रावधान नहीं है, जिस कारण बड़ी संख्या में आवेदन रिजेक्ट किए जा सकते हैं।

लंबे समय से कई गांवों में पंचायती जमीनों से लेकर रास्तों और जोहड़ की जमीन पर पक्के मकान बनाए हुए हैं। विलेज कॉमन लैंड एक्ट के तहत पंचायती जमीनों को खाली कराने की प्रक्रिया तेजी से अमल में लाई जा रही है। प्रदेश सरकार की ओर से लगभग एक साल पहले ऐसे निर्माण को नियमित कराने का प्रावधान किया था, जो वर्ष 2004 से पहले बनाए गए थे। इसके लिए 500 वर्ग गज तक जमीन निर्धारित की गई थी। ऐसे निर्माण जमीन का सरकारी मूल्य जमा कराने के बाद नियमित कराने का प्रावधान किया गया था, परंतु इसमें आम रास्तों और जोहड़ की जमीन को शामिल नहीं किया गया था। इसके लिए बीते 16 जनवरी तक डीडीपीओ ऑफिस में आवेदन करने के निर्देश दिए गए थे। सरकार की ओर से तय अवधि समाप्त हो चुकी है। इस अवधि में जो लोग आवेदन नहीं कर पाए, अब ग्राम पंचायतें नोटिस जारी करने के बाद उनके मकान तुड़वा सकती हैं। 7 वीसीएल के तहत ऐसे निर्माण तुड़वाने के लिए पंचायतों की ओर प्रशासन से लेकर कोर्ट तक केस भी दायर किए हुए हैं।

तीन प्रस्ताव मंजूर, आठ पेंडिंग

इस योजना के तहत अंतिम तीन दिनों में लगभग 200 आवेदन मिले हैं। इनमें से कई लोगों के मकान जोहड़ व रास्तों की जमीन तथा पंचायती खेती की जमीन पर बने हुए हैं। ऐसे निर्माणों को नियमित करने का प्रावधान नहीं है। योजना की अवधि समाप्त होने के बाद अवैध कब्जों को हटवाने की कार्रवाई जल्द शुरू कराई जाएगी। -एचपी बंसल, डीडीपीओ।

अंतिम तीन में बढ़ी आवेदनों की संख्या

सरकार की ओर से मकान नियमित कराने के लिए 16 जनवरी अंतिम तिथि तय की गई थी। अंतिम तीन दिनों में डीडीपीओ में ऐसे 200 से अधिक आवेदन आ गए, जो अपने निर्माण नियमित कराना चाहते हैं। इनमें लगभग डेढ़ सौ आवेदन ऐसे हैं, जिनके मकान जोहड़ या रास्तों पर बने हुए हैं। ऐसे निर्माण को किसी भी सूरत में नियमित नहीं किया जा सकता, जिस कारण आने वाले दिनों में इन मकानों का टूटना तय माना जा रहा है।

योजना के तहत दो मकान ही नियमित

इस योजना के तहत डीडीपीओ को ग्राम सभाओं की मीटिंग में पास हुए 11 प्रस्ताव मिले थे। इन प्रस्तावों में संबंधित लोगों के मकान नियमित करने का आग्रह किया गया था। डीडीपीओ कार्यालय की ओर से यह प्रस्ताव बीते वर्ष ही सरकार को भेज दिए गए थे। इनमें से सरकार की ओर से 3 प्रस्तावों को ही मंजूरी दी गई, जबकि 8 फाइलें अभी सरकार के पास पेंडिंग हैं। तीनों आवेदकों से पैसा जमा कराने के बाद जमीन उनके नाम करा दी गई है।

बीडीपीओ के जरिए जाएंगे आवेदन

योजना की अंतिम तिथि तक मिले आवेदनों को अब खंड पंचायत विकास अधिकारियों के मार्फत संबंधित ग्राम पंचायतों के पास भेजा जाएगा। इसके बाद ग्राम सभाओं की मीटिंग में यह आवेदन रखे जाएंगे। अगर ग्राम सभा में सहमति बनती है, तो इसका प्रस्ताव वापस बीडीपीओ के मार्फत डीडीपीओ ऑफिस आएगा। डीडीपीओ कार्यालय से पंचायतों की ओर से स्वीकृत प्रस्ताव सरकार को भेजे जाएंगे, जिन पर सरकार को निर्णय होगा।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। नुक्कड़ नाटक से मोबाइल की लत के प्रति जागरूकता का संदेश देती छात्राएं।

स्वयंसेवकों को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

कोसली। राजकीय महाविद्यालय कोसली की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष कैंप में स्वयंसेवकों ने दिन की शुरूआत प्रार्थना व ध्यान से की। इसके बाद गांव के शिव मंदिर में सफाई अभियान चलाया गया तथा ग्रामीणों को भी सफाई रखने तथा पॉलीथिन का कम से कम प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज के सहायक प्राध्यापक संजीव ने बच्चों को साइबर सिक्योरिटी को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी व पासवर्ड सांझा न करें। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की शिकायत तुरंत साइबर सिक्योरिटी सेल में दर्ज करानी चाहिए। फेसबुक या इंस्टाग्राम पर अनजान लोगों से बातचीत करने से बचना चाहिए। महाविद्यालय प्राचार्या डा. लाज ने कहा कि नारी शक्ति राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

रीजनल सेंटर में छात्राओं के लिए 75 % हाजिरी जरूरी

कोसली। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय प्रशासन ने सोमवार को कृष्ण नगर स्थित रीजनल सेंटर की छात्राओं के लिए 75 प्रतिशत हाजिरी पूरी करने का फरमान जारी किया है। इस आदेश के तहत जिन छात्राओं की हाजरी 75 प्रतिशत से कम होगी उन्हे फाइनल परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं मिलेगी। रीजनल सेंटर के निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय के नियमानुसार छात्राओं को रेगुलर कोर्स के लिए 75 प्रतिशत हाजिरी पूरी करनी होती हैं। जो छात्राएं हाजिरी पूरी नहीं करेंगी वे फाइनल परीक्षा से वंचित रहेंगी। सम सेमेस्टर कि कक्षाएं एक जनवरी से सुचारू रूप से चल रही हैं और समय सारिणी सूचना बोर्ड पर जारी कर दी गई है। डा. अनिल कुमार ने बताया कि छात्राओं की हाजरी को लेकर अभिभावकों से अपील की गई है कि वे पढाई के लिए छात्राओं को सभी विषयों कि क्लास में उपस्थित रहने के लिए प्रेरित करें।

30वीं सिंधु दर्शन यात्रा को लेकर बैठक का आयोजन

रेवाड़ी। प्रथम सिंधु कुंभ को लेकर हिमालय परिवार पत्रिका प्रमुख डा. प्रवीण बंसल के प्रवास पर हिमालय परिवार हरियाणा प्रांत महामंत्री सत्य प्रकाश गौतम के आवास पर 30वीं सिंधु दर्शन यात्रा को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। 30वीं सिंधु दर्शन यात्रा 18 जून से 30 जून तक लेह लद्दाख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डा. इंद्रेश कुमार के मार्गदर्शन में होने जा रही है। बैठक में यात्रा पंजीकरण को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में हरियाणा के सभी जिलों, धार्मिक स्थलों, सामाजिक संगठनों,राजनीतिक दलों के सभी प्रमुखों से व प्रशासनिक अधिकारियों से मिलकर यात्रा पंजीकरण के विषय में जागरूक करने का निर्णय लिया गया। यात्रा का मुख्य उद्देश्य हिमालय क्षेत्र की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक विरासत के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित होकर कार्य करना है। इसका मूल मंत्र हिमालय को केवल पहाड़ों की श्रृंखला न मानकर उसे भारत की आत्मा और सुरक्षा कवच के रूप में देखना है। उन्होंने हरियाणा के नागरिकों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में सिंधु नदी के तट पर होने जा रहे प्रथम सिंधु कुंभ में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बैठक में प्रांत अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण शर्मा, प्रांत संयोजक तेजभान कुकरेजा, प्रांत लीगल प्रमुख अजय शर्मा एडवोकेट, धीरज गौतम व गोपाल गर्ग सहित अनेक सदस्य मौजूद थे।

ग्रामीणों को नशा व साइबर अपराधों से सतर्क रहने के लिए किया जागरूक

रेवाड़ी। जिला पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने सोमवार को गांव धामलाका, देवलावास व ढालियावास में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूक किया। इस अवसर पर निरीक्षक रामपाल ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। अगर गांव या आस-पास कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आजकल अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी व पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। इस दौरान ग्रामीणों को यातायात नियमों की भी जानकारी दी गई। नशा मुक्ति टीम ने कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या आपातकालीन स्थिति हो तो तुरंत डायल 112 पर सूचना दें। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशा करता है या नशा बेचता है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस थाने में दें। इसके अलावा नशा गतिविधियों की सूचना मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर करें। पुलिस ने ग्रामीणों ने नशा और साइबर अपराधों से दूर रहने की शपथ भी दिलाई।

राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला 22 को

रेवाड़ी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रेवाड़ी में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप व रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बावल, धारूहेड़ा, रेवाड़ी व मानेसर औद्योगिक क्षेत्रों से 40 औद्योगिक कंपनियां भाग लेंगी। राजकीय आईटीआई में आयोजित होने वाले पीएम नेशनल अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेला में डीसी अभिषेक मीणा बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

पहचान के बाद हुआ शव का पोस्टमार्टम

बावल। सड़क हादसे के बाद हुई व्यक्ति की मौत के मामले में मृतक की पहचान हो गई। पुलिस ने दो दिन पूर्व कसोला चौक के पास एक बेसुध पड़े व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवा दिया था। मृतक की पहचान महेंद्रगढ़ के कनीना निवासी बलबीर के रूप में हुई। वह इस समय गढ़ी बोलनी गांव में रह रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी।

समाधान शिविर में बनी जाटूसाना निवासी कृष्ण कुमार की बुढ़ापा पेंशन

रेवाड़ी। एडीसी राहुल मोदी ने आमजन से आह्वान किया कि वे अपनी शिकायतों को समाधान शिविर में जिला प्रशासन के समक्ष रखें, उनकी शिकायतों का तत्परता से उचित समाधान किया जाएगा। एडीसी सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं की सुनवाई की। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने भी विशेष रूप से मौजूद रहकर आमजन की शिकायतें सुनते हुए उनका समाधान कराया। समाधान शिविर में नंदरामपुर बास की एक बस्ती की कच्ची गली को पक्का कराने व गांव बोलनी में पंचायत की ओर से कराई गई पैमाइश की रिपोर्ट उपलब्ध कराने की शिकायत सहित पेंशन, परिवार पहचान पत्र, बिजली, प्रॉपर्टी आईडी और पुलिस संबंधित शिकायतों पर भी विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता से निवारण करने के निर्देश दिए गए। इनके अलावा गांव जाटूसाना के कृष्ण कुमार की मौके पर ही पेंशन बनाई गई।

प्रताप चौहान राजपूत सभा के निर्विरोध प्रधान मनोनीत

बावल। राजपूत सभा बावल कार्यकारणी का चुनाव निर्वाचन अधिकारी हीरा सिंह चौहान की अध्यक्षता व चुनाव कमेटी पदाधिकारियों की उपस्थिति में राजपूत धर्मशाला रावला हाउस बावल में सम्पन्न हुआ। राजपूत समाज के प्रबुद्ध जनों के विचार विमर्श करने के उपरांत सर्व सहमति से प्रताप चौहान नांगल उगरा को निर्विरोध प्रधान मनोनीत किया गया।

आसमान साफ होते ही चढ़ा पारा, बढ़ने लगी किसानों की चिंता

- आज मौसम में फिर बदलाव की संभावना, 23 को हो सकती है हल्की बरसात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। सोमवार को नेहरू पार्क में धूप सेकते लोग। फोटो : हरिभूमि

एक दिन बादल छाने के बाद आसमान साफ होते ही पारा चढ़ गया। दिन के साथ रात के तापमान में भी वृद्धि होने से किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। चढ़ता हुआ पारा फसलों को नुकसान की आशंका है। मंगलवार को आसमान में आंशिक बादल छाने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसके बाद 23 जनवरी को आसमान में बादलों के बीच हल्की बरसात होने की भी संभावना जताई जा रही है।

सोमवार को सुबह से ही आसमान साफ बना रहा। दिन में तेज धूप के कारण अधिकतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 24.0 डिग्री पर पहुंच गया। दिन का तापमान लगातार सामान्य से अधिक बना हुआ है। रात का तापमान भी 1.0 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 83 प्रतिशत तक रहा, जबकि 8 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से हवाएं चलीं। तापमान बढ़ने से शाम तक मौसम गर्म बना रहा। दोपहर तक गर्म कपड़े लोगों के बदन को चुभने शुरू हो गए। मौसम विभाग के अनुसार कमजोर विक्षोभ की सक्रियता के चलते बार-बार मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। कमजोर मौसम प्रणाली के चलते अच्छी बरसात नहीं हो रही है। 20 जनवरी को आसमान में आंशिक बादल छा सकते हैं। 23 जनवरी को हल्की बरसात की भी संभावना जताई जा रही है। सप्ताह के अंत तक मौसम और तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

फसलों में सिंचाई की ज्यादा आवश्यकता

इस समय सरसों की अगेती फसल पकाव की ओर है। गेहूं में बालियां भी निकलनी शुरू हो गई हैं। इस समय मौसम का गर्म मिजाज दोनों फसलों के लिए नुकसानदायी साबित हो सकता है। सरसों की फसल रोग की चपेट में आ सकती है। गेहूं पर दीमक का हमला होने से नुकसान हो सकता है। दोनों फसलों की नियमित सिंचाई जरूरी है। इस समय अगर बरसात होती है, तो उसका दोनों फसलों को अच्छा फायदा मिल सकता है। बरसात नहीं होने से किसान चिंतित नजर आ रहे हैं। उनके लिए दोनों फसलों की एक साथ सिंचाई करना मुश्किल बना हुआ है।

सट्टा खाईवाली करता एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। रोहड़ाई थाना पुलिस ने सरेआम सट्टा खाईवाली करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव पाल्हावास निवासी प्रवीण कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 620 रुपये भी बरामद किए है। गत 18 जनवरी को पुलिस को सूचना मिली थी की प्रवीण कुमार निवासी गांव पाल्हावास गांव के बस स्टैंड नजदीक जीवड़ा रोड पर सरेआम सट्टा खाईवाली का काम कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

दो जिलों के बीच अटका सड़क निर्माण, ग्रामीणों को करना पड़ रहा परेशानी का सामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

महेंद्रगढ़ जिले के कपूरी और रेवाड़ी जिले के अंतिम छोर पर निमोठ गांव के बीच बनी करीब 3 किलोमीटर लंबी सड़क दुर्दशा का शिकार बनी हुई है। दोनों जिलों का मामला होने के कारण सड़क निर्माण अटका हुआ है। इस सड़क का निर्माण कुछ साल पहले ही महेंद्रगढ़ के कनीना मार्केटिंग बोर्ड की ओर से करवाया गया था। सड़क निर्माण होने से न सिर्फ इन दोनों गांवों, बल्कि आसपास के गांवों के लोगों का आवागमन आसान हो गया था। अब यह सड़क टूटकर बदहाल हो चुकी है। वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आवागमन रहता है

इस सड़क से दोनों गांवों के साथ-साथ ककराला, कनीना, रामबास व कई अन्य गांवों के लोगों का आवागमन होता है। सड़क पूरी तरह टूटकर बिखर चुकी है। सड़क के गड्ढों में खेतों में चलने वाले फव्वारों का पानी एकत्रित हो जाता है, जिससे गड्ढे वाहन चालकों को दिखाई नहीं पड़ते। सड़क हादसों की आशंका बनी रहती है।

जल्द करवाया जाएगा समाधान

मुझे अभी इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। बोर्ड के एक्सईएन से इस मामले में बातचीत की जाएगी। दोनों में से किसी एक बोर्ड के जरिए सड़क का निर्माण जल्द कराने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। -सतप्रकाश, डीएमईओ।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

राजनीति नरबीर को बदलना पड़ा था मैदान, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह राजनीतिक विरोधियों के निशाने पर

सत्ता विरोधी 'लहर' में ही मिली मात, कभी दूसरी बार नहीं मिली मात

- जाटूसाना में राव को एक बार चौ. देवीलाल के कर्ज माफी नारे ने हराया, तो दूसरी बार चौ. बंसीलाल की शराब बंदी के नारे ने दी थी पटखनी

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

वर्ष 1977 के विधानसभा चुनाव में जीत के साथ राजनीतिक में दस्तक देने वाले केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह राजनीतिक विरोधियों के निशाने पर हैं। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह उन्हें वर्ष 1987 के विधानसभा चुनावों में पटखनी देने का हवाला देते हुए तीर चला रहे हैं, तो पूर्व मंत्री डा. अभय सिंह नपी-तुली भाषा में निशाना साधने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। अहीरवाल की राजनीति आए दिन हो रही बयानबाजी से शीत लहर के बीच गर्म हो रही है। ऐसे में अगर राव के राजनीतिक जीवन की समीक्षा की जाए, तो यह बात साफ हो जाती है कि उन्हें सिर्फ किसी न किसी 'लहर' ने ही शिकार बनाया। अपने दम पर उन्हें मैदान में पटखनी कोई नेता नहीं दे पाया।

विशाल हरियाणा पार्टी की टिकट पर जाटूसाना हलके से पहला चुनाव जीतने वाले राव इंद्रजीत सिंह इस सीट पर लगातार दो बाद विजय हासिल की थी। वर्ष 1987 में लोकदल सुप्रीमो चौ. देवीलाल ने किसानों का 'कर्ज माफी' का नारा दिया था। उनके इस नारे ने पूरे प्रदेश में लोकदल की लहर बना दी थी, जिस पर सवार होकर राव नरबीर सिंह विधानसभा पहुंचने में कामयाब हो गए थे। इससे अगले ही चुनाव में राव ने फिर दमदार वापसी की थी। वर्ष 1996 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस छोड़कर हरियाणा विकास पार्टी बना चुके चौ. बंसीलाल ने शराबबंदी का नारा दिया था। इस नारे से बनी लहर ने हविपा प्रत्याशी के रूप में जगदीश यादव की नैय्या को पार लगा दिया था। जगदीश और नरबीर दोनों ही एक-बार पार्टी की लहर के सहारे राव को मात देने में कामयाब हुए थे। वर्ष 2000 के चुनावों में राव ने एक बार फिर वापसी करते हुए इनेलो में शामिल हो चुके जगदीश यादव से हजार का हिसाब बराबर कर दिया था। हलके में मजबूत पकड़ के चलते बीच में राव नरबीर को नया ठिकाना भी ढूंढना पड़ा था।

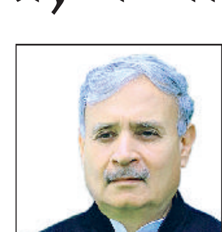

राव इंद्रजीत सिंह।

राव नरबीर सिंह।

जगदीश यादव।

रणधीर कापड़ीवास।

निशाने पर आने वाले होते गए फेल

इस बात में भी कोई संदेह नहीं है कि राव परिवार पर सीधा निशाना साधकर राजनीति के मैदान में आगे बढ़ने का प्रयास करने वाले अहीरवाल के किसी भी नेता को कामयाबी नहीं मिली। जगदीश यादव जाटूसाना व कोसली हलकों से एक चुनाव छोड़कर सभी में किस्मत आजमाई। रामपुरा हाउस का खुलकर विरोध भी किया, परंतु जीत के करीब जाकर फिसलते रहे। रेवाड़ी में रणधीर सिंह कापड़ीवास भी विरोध के बीच दोबारा विधायक नहीं बन सके।

सुधा ने कारगिल लहर से दी पटखनी

नब्बे के दशक में केंद्र की राजनीति में प्रवेश कर चुके राव इंद्रजीत सिंह वर्ष 1998 में महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद बने थे। एक साल बाद हुए मध्यावधि चुनावों में चली कारगिल लहर में भाजपा प्रत्याशी डा. सुधा यादव ने नई खिलाड़ी होते हुए भी राव को मात देकर सभी को चौंका दिया था। इससे अगले चुनाव में राव ने सुधा से भी हार का हिसाब बराबर कर दिया था। सुधा को भी इसके बाद दूसरी बार संसद पहुंचने का मौका कभी नहीं मिला।